तैयारी | बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे के सर्विस लेन के पास लगेंगे सोलर पैनल, कई जगह बनेंगे सोलर पार्क, नौ कंपनियों ने दिखाई है रुचि

चुनाव के बाद बुंदेलखंड एक्सप्रेस वे 'सोलर' बनेगा

■ अजित खरे

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के बाद अब योगी सरकार बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को सोलर एक्सप्रेसवे बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ाने जा रही है। इसके जरिए 450 मेगावाट सौर ऊर्जा का उत्पादन होगा और पहले चरण में 250 करोड़ रुपये का निवेश होगा। निजी सार्वजनिक सहभागिता के आधार पर इस योजना को अब जल्द शुरू कराया जाएगा।

उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) बोर्ड ने निवेश कंपनियों के चयन के लिए बिड डाक्यूमेंट को मंजूर कर दिया। इसके बाद इसे औद्योगिक विकास आयुक्त व मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली कमेटी ने भी मंजूरी दे दी। पीपीपी मॉडल पर इस परियोजना को अगले महीने कैबिनेट से मंजूर कराया जाएगा। बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे 296 किमी लंबा है। इसको यूपी के पहले सोलर एक्सप्रेसवे बनाने की योजना है। इसके दोनों ओर उपलब्ध जमीन पर सोलर पैनल लगेंगे। इससे एक इनोवेटिव एवं सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं का विकास होगा।

> सोलर एक्सप्रेसवे बनाने के लिए निवेश कंपनियों का चयन जल्द होने जा रहा है। बिड डाक्यूमेंट को कैबिनेट से मंजूर कराया जाएगा। पीपीपी मॉडल पर तैयार इस परियोजना की डीपीआर भी तैयार हो गई है। इस परियोजना पर अब जल्द काम शुरू होगा।
>
> **मनोज कुमार सिंह,** औद्योगिक विकास आयुक्त व सीईओ यूपीडा

असल में एक्सप्रेसवे के मुख्य सड़क व सर्विस रोड के बीच उपलब्ध जमीन की औसत चौड़ाई 15 से 20 मीटर है। इसके अलावा जंक्शनों, इंटर सेक्शनों व लूप क्षेत्रों में सोलर संयंत्र लगेंगे। मुख्य कैरिजवे की ढलान पर उपलब्ध जमीन पर भी फोटोवोल्टिक पीवी पैनल स्थापित होंगे चूंकि यह पूरा क्षेत्र कंटीले तारों से सुरक्षित है। इसलिए सौर ऊर्जा संयंत्रों की सुरक्षा के लिहाज से उपयुक्त है।

इन कंपनियों ने सोलर पार्क स्थापित करने में रुचि दिखाई: अवाडा इनर्जी, टस्को, नवेली उत्तर प्रदेश पावर, इरीसा ई मोबलिटी, सोमया सोलर सैल्युशन, महात्मा फूले रिन्युएबेल इनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नालॉजी, टोरेंट पावर, एट्रिया, व थ्री आर मैनेजमेंट कंपनियों ने यहां सोलर पार्क स्थापित करने में रुचि दिखाई है। इनका चयन ई टेंडर के जरिए जल्द होगा।